# दर्पण की तरह होती थीं केकी एन दारूवाला की कविताएं

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

■ साहित्य अकादमी ने निधन पर व्यक्त किया शोक

प्रख्यात कवि, लेखक और विद्वान केकी एन. दारूवाला के निधन पर साहित्य अकादमी ने शोक व्यक्त किया है। अकादमी के सचिव के.श्रीनिवासराव ने कहा कि आधुनिक भारत के प्रसिद्ध कवियों में से एक, श्री केकी अमूर्त को मूर्त रूप देने में माहिर, एक उत्कृष्ट मानवतावादी थे। उनकी कविताएं एक दर्पण की भाँति होती थी और जब भी कोई उनकी कविताओं को पढ़ता था, तो वह दर्पण हमारे सामने आ जाता था। उस दर्पण में समाज का असली यथार्थ होता था और कवि का स्वर सदैव आधुनिक तथा मौजूदा जीवन में नीतिपरक एवं नैतिक मूल्यों के ह्रास को उजागर करता था।

केकी दारूवाला असाधारण रूप से एक कुशल और निपुण कवि थे, जिनकी कविताओं ने दुनिया भर के हज़ारों साहित्य प्रेमियों पर गहरा प्रभाव डाला। उनकी कविताओं में मौजूद सार्वभौमिक तत्वों और मूल्यों ने उनकी कृतियों को कई देशों के लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना दिया। उन्हें वास्तव में एक वैश्विक कवि के रूप में समादृत किया जा सकता है। भले ही दारूवाला ने अपनी नश्वर देह त्याग दी हो, किंतु वह एक प्रभावशाली साहित्यिक विरासत छोड़ गए हैं, जो सदा हमारे साथ रहेगी।

दारूवाला का बृहस्पतिवार रात राजधानी के एक अस्पताल में निधन हो गया, वह 87 वर्ष के थे। शुक्रवार को खान मार्केट के निकट पारसी अरामगाह में उनका अंतिम संस्कार किया गया।